

## प्रजाति (Race)

प्रजाति शब्द अंग्रेजी भाषा के Race शब्द का हिन्दी अनुवाद है। मानव जातियों ने प्रायः अणुओं के आधार पर अनेक मानव जातियाँ बनायी हैं जैसे पॉथकेनथ्रोपस, हैडलवर्ग, निग्रिटोइड तथा पिन्टोइड। जहाँ तक वर्तमान मानव का प्रश्न है तो इसी मानवों में से किसी एक से इसका जन्म हुआ जिसे 'मैप्पावी मानव' (Homo Sapiens) कहा जाता है। इस से मनुष्य की कई शाखाएँ फूली हैं जिनमें सफ़ेद, पीले, काले रंग के मानव हैं। इनमें से भी हर एक से फिर आगे शाखाएँ फूली हैं जो मानव की भिन्न भिन्न जातियाँ हैं। भिन्न भिन्न प्रजातियाँ हैं। इनका मूल आधार एक ही है। एक रक्त के लोग एक प्रजाति और दूसरे रक्त के लोग दूसरे प्रजाति के माने जाते हैं। जो लोग अपनी प्रजाति के रक्त को प्रेषित करते हैं वह दूसरे प्रजाति के लोगों से अनेक प्रकार की दूरी बनाये रखते हैं। प्रजाति के आधार पर प्रेषण का विचार हर देश में पाया जाता है। जैसे हाल ही में जापानिया भारतीय Brahmin जाति को प्रेषित मानते हैं।

यह तर्क प्रजाति भी परिवर्तनों का समूह  
 है यह कहा जा सकता है कि एक प्रकार के  
 शारीरिक लक्षणों से युक्त मानव समूह को हम  
 एक प्रजाति कह सकते हैं। अर्थात् एक प्रजाति  
 के लोगों को शारीरिक लक्षणों से पहचाना जा  
 सके भी वह एक प्रजाति का विभाजन करते हैं।  
 ये शारीरिक लक्षण उस मानव समूह में  
 वंशानुक्रमण द्वारा जीने पर जीने हस्तान्तरित  
 होते हैं। तथा इन पर परिवर्तनों का प्रभाव  
 नहीं पड़ता है। प्रत्येक प्रजातियों में व्यक्ति में  
 शारीरिक विशेषताओं के आधार पर काफी  
 समानता पायी जाती है।

डा० डी० एन० मजुमदार के अनुसार  
 "यदि व्यक्तियों के एक समूह को समान  
 शारीरिक लक्षणों के आधार पर अन्य समूहों  
 से अलग पहचाना जा सके तो चाहे उस  
 जीवाणु समूह के सदस्य कितने ही परिवर्तन  
 क्यों न हों, वे एक प्रजाति हैं।"

Haeckel के अनुसार "प्रजाति  
 विशिष्ट जनसंख्या के फलस्वरूप उत्पन्न  
 होने वाले शारीरिक लक्षणों का एक विशिष्ट  
 संयोग करने वाले अन्तर-सम्बन्धित मनुष्यों  
 का एक कूट समूह है।"  
 Busanget Busanget के अनुसार

प्रजाति 'व्यक्तियों' को एक ही समूह  
को कहते हैं जिसे अनुवांशिक शारीरिक  
लक्षणों के आधार पर पहचाना जा सके।

इस प्रकार प्रजाति एक ही  
समूह को कहते हैं जिनकी शारीरिक  
विशेषताएँ एक जैसी हों। ये विशेषताएँ  
उन्हें वंशानुक्रम में पीढ़ी दर पीढ़ी प्राप्त  
होती हैं और इनपर पर्यावरण का प्रभाव  
बहुत कम पड़ता है। पर्यावरण से ये बहुत  
कम ही प्रभावित होती हैं।